nt>
Title: Regarding lack of telecommunication facilities in the tribal area of Anchal, Madhya Pradesh.

श्री मोतीलाल वोरा (राजनांदगांव): महोदय, पिछले तीन-चार महीनों से जब से यह सरकार आई है, तब से दूरसंचार विभाग पूरी तरह से स्वतन्त्र हो गया है। मेरा निर्वाचन क्षेत्र सर्वाधिक आदिवासी क्षेत्र है। इस क्षेत्र में पिछले तीन-चार महीनों से करीब पांच हजार टेलीफोन खराब पड़े हैं। सरकार के संचार मंत्री को मैंने कई पत्र लिखे हैं, पहले तो पत्रों का जवाब आ जाता था, लेकिन जब से यह सरकार आई है, तब से कुछ मंत्रियों ने मानकर रख लिया है कि पत्रों का जवाब नहीं देना है। मैं भी सरकार में मंत्री रहा हूं, मुझे मालूम हैं, यह परम्परा केन्द्रीय सरकार में पहले नहीं थी। नीतीश कुमार जी के पत्रों का जवाब बराबर आता है। मैं सदन को बताना चाहता हूं कि आदिवासी अंचल तीन सौ किलोमीटर लम्बा है, अगर दूरसंचार विभाग इस प्रकार सोता रहा, तो ग्राम पंचायती राज की स्थापना में जो गति लाने का हमारा निर्णय है, वह अपने आप में शून्य की भांति रह जाएगा। एक स्थिति यह भी है कि शून्यकाल में मंत्रियों की अनुपस्थिति खलने वाली है, क्योंकि हमारी बातों का जवाब नहीं आता है। यदि मंत्री महोदय सदन में रहें, तो वे परिस्थिति को समझ कर त्वरित गति से निर्णय ले सकेंगे।